उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, रामनगर (नैनीताल)	हाईस्कूल परीक्षा (उत्तराखण्ड)	'अ' 10 पन्ने

प्रश्न - 01. उत्तर

(क). चित्त को क्षुद्र वासनाओं से विरत करने का एक बहुत बड़ा साधन कला है।

(ख). झगड़े की आड जड़ काटने एवं सबको अपने उचित अधिकार स्वतः प्राप्त हो जाऐं इसके लिए छात्र के चरित्र को इस प्रकार विकास देना है कि वह 'मैं', 'तू' के ऊपर उठ सके। हम तुम सौ आदमी सच बोलें धर्माचरण करें, उपासना करें, लोगों के दुःख निवारण करें इसमें कोई झगड़ा नहीं है।

(ग). शीर्षक → 'कला', 'प्राचीन आचार्यों द्वारा दी गई धर्म की दीक्षा'

(घ). (ii). कामोद्दीपन के लिए

(ङ). (ii). हजारों व्यक्ति को मिलेगा

प्रश्न - 03 उत्तर

सेवा में,

सम्पादक महोदय,

डुण्डा उत्तरकाशी,

विषय:- गाँव में पेयजल की समस्या

महोदय,

मैं डुण्डा क्षेत्र की निवासी हूँ मैं आपका ध्यान हमारे गाँव में हो रही पेयजल की समस्या की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ कि पिछले दो सप्ताह से देखा जा रहा है कि नलों में आने वाला जल अशुद्ध है जिसमें अनेक गन्दगी है जिस कारण गाँव में पेयजल की कमी हो रही है अशुद्ध जल को पीने के कारण लोग बीमार भी हो रहे हैं तथा प्रदूषण बढ़ता जा रहा है।

अतः आपसे अनुरोध है कि आप हमारे गाँव की पेयजल की समस्या पर ध्यान दे और जल्द ही इसका निवारण करें।

धन्यवाद

क्षेत्र की निवासी

क ख ग

प्रश्न - 04 उत्तर

(क) क्या जीवन में उदारता आवश्यक है?

(ख). प्रत्येक व्यक्ति के अनुकूल आचरण करना आवश्यक नहीं है।

(ग) (iii). तेज

(घ) (iii). कर्म

प्रश्न - 05 उत्तर

(क) राम घर गया और सो गया।

(ख) सूर्योदय होते ही चीड़िया चहकने लगी।

(ग). (i). कर्तृवाच्य

(घ). (iii). रचना की

प्रश्न - 06 उत्तर

(क) (iii). नारद

(ख). (iii). सुधा

प्रश्न - 07 उत्तर

(i).

(क). लक्ष्मण ने परशुराम से कहा कि हमारी नजर में तो सभी धनुष समान हैं इस धनुष को तोड़ने में हमें कोई लाभ हानि नहीं है श्री राम ने इसे नया समझकर देखा भर था कि वह छूते ही टूट गया इसमें श्री राम का दोष नहीं है आप अकारण क्रोध कर रहे हैं।

(ख). धनुष टूटने में श्री राम का दोष इसलिए नहीं है क्योंकि श्री राम ने उसे नया समझकर देखा भर था कि वह छूते ही टूट गया।

प्रश्न - 08 उत्तर

(क). लक्ष्मण ने वीर योद्धा की विशेषताएँ बताई हैं कि वीर योद्धा देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त और गाय पर वीरता नहीं दिखाते उन पर शस्त्र नहीं उठाते योद्धा अपनी वीरता का बखान नहीं करते वे रणभूमि में अपनी वीरता दिखाते हैं और उन्हें अकारण क्रोध नहीं आता संयम और सन्तोष उनके सद्गुण हैं। वीर योद्धा अपशब्दों का प्रयोग नहीं करते हैं।

(ख). 'आत्मकथ्य' कविता के कवि 'जयशंकर प्रसाद' आत्मकथा लिखने से बचना चाहते हैं क्योंकि उनका कहना है कि उनके जीवन में ऐसा कुछ नहीं है जिसका उल्लेख किया जा सके जिससे लोगों को प्रेरणा मिलें उनका कहना है कि संसार में कई लोग हैं जिनको आत्मकथा लिखनी चाहिए जिनसे लोगों को प्रेरणा मिलें और वे कहते हैं कि उनका जीवन कष्टमय रहा है जिसका उल्लेख करके वे उपहास का पात्र नहीं बनना चाहते और वे अपनी प्रेयसी की मधुर स्मृतियों का उल्लेख भी नहीं करना चाहते इसलिए वे आत्मकथा लिखने से बचना चाहते हैं।

प्रश्न- 01 उत्तर

(क). गोपियों की आशा थी की श्री कृष्ण शीघ्र ही लौट आँएगे परन्तु उनके न आने से गोपियाँ विरह दुःख में थी जब उद्धव जी योग का सन्देश देते हैं तो यह सन्देश उनकी विरहाग्नि में घी का काम करता है क्योंकि योग का सन्देश सुनकर वे समझ जाती हैं कि श्री कृष्ण कभी लौटकर नहीं आँएगे इसलिए योग का सन्देश सुनकर उनकी विरहाग्नि प्रज्वलित हो उठती है।

(ख). उत्साह कविता में बादल अनेक अर्थों की ओर सकेत करता है-:

(i). बादल जल बरसाने वाली शक्ति है।

(ii). बादल पीड़ित प्यासे जन की अकांक्षा को पूर्ण करता है

(iii). बादल कवि में और संघर्ष भर कविता में उत्साह बढ़ाता है।

(iv). बादल क्रांति चेतना का प्रतीक है।

प्रश्न - 10 उत्तर

(i).

(क). खेतीबारी से जुड़े बालगोबिन भगत गृहस्थ थे फिर भी वे साधु कहलाते थे क्योंकि वे साधु की सब परिभाषाओं का पालन करते थे वे कबीर को 'साहब' मानते थे उन्हीं के गीतों को गाते उन्ही के आदर्शों पर चलते थे। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते थे किसी से भी दो टूक बात करने में संकोच नहीं करते थे न किसी से झगड़ा करते थे किसी की चीज नही छूते न बिना पूछे व्यवहार में लाते थे।

(ख). बालगोबिन भगत कभी झूठ नहीं बोलते थे व सभी से खरा व्यवहार रखते किसी से भी दो टूक बात करने में संकोच नहीं करते न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते किसी की चीज नहीं छूते न बिना पूछे व्यवहार मे लाते।

प्रश्न-11. उत्तर

(क). सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन कहते थे क्योंकि पूरे क्षेत्र वही ऐसा व्यक्ति था जिसे नेताजी की मूर्ति से लगाव था और जो नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाता था और चश्मेवाले में देशभक्ति की भावना प्रबल थी इसलिए लोग उसे कैप्टन कहते थे।

(ख). जब लेखिका के कॉलेज से प्रिंसिपल द्वारा लेखिका के पिताजी को बुलाया गया और पूछा गया की क्यों न लेखिका के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए इस बात से लेखिका बहुत डर गई और पिता जी क्रोधित हो गई वे क्रोध में कॉलेज गए प्रिंसिपल से बात करने पर और असली अपराध पता चलने पर वे क्रोधित नहीं हुए बल्कि खुश हुए और उन्हें लेखिका पर गर्व हुआ पिता जी की यह प्रतिक्रिया देखने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया न अपने कानों पर।

प्रश्न-12 उत्तर

(क). 'नेताजी का चश्मा' कहानी के लेखक 'स्वयं प्रकाश' हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि हमें भी हालदार साहब और चश्मेवाले की तरह देशभक्त होना चाहिए हमें देश के स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करना चाहिए हमें स्वतंत्रा सेनानियों की मूर्ति, तस्वीर का

अपमान नहीं करना चाहिए उनके संघर्षों का सम्मान करना चाहिए ।

(ख). बालगोबिन भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा थी क्योंकि वे कबीर के समान ही आडम्बर में विश्वास नहीं रखते थें और वे कबीर के आचरण व आदर्शों से प्रेरित थे वे कबीर के समान ही सादगी व साधारणता में विश्वास रखते थे वे दिखावा करना नहीं जानते थे ।

प्रश्न-13. उत्तर

(क). 'माता का अँचल पाठ में तीस के दशक की प्राचीन ग्राम्य संस्कृति का वर्णन किया गया जिस समय बच्चों की खेल सामग्री प्राकृतिक चीजों से बनी होती थी जैसे टहनियाँ, मिट्टी, फूल आदि उस समय गाँवों में हरे भरे खेतो के बीच घास के घर होते थे गाँवों में संयुक्त परिवार होते थे और सब मिल जुलकर रहते थे पहले गाँवों में लोग कृषि पर निर्भर होते थे उससे ही जीवन निर्वाह करते थे और प्राकृतिक खाद का उपयोग करते थे और उस समय विद्युत भी नहीं थी आग जलाकर रोशनी की जाती थी। तथा सभी चीज प्रकृति से प्राप्त की जाती थी।

(ख). 'माता का अंचल' पाठ 'वात्सल्य प्रेम' पर आधारित है भोलानाथ की माँ उसे खूब प्यार करती और खूब दुलारती थी और उसे खूब भोजन कराती थी जब भोलानाथ साँप के भय से रोता हुआ माँ के पास जाता है तब उसकी माँ उसे रोता देख रोने लगती है तथा उसे प्रेम और सहानुभूति देकर उसे चुप कराती है इस प्रकार सन्तान के प्रति माँ का प्रेम अभिव्यक्त होता है। भोलानाथ के पिता भी भोलानाथ से बहुत प्रेम करते थे वे भोलानाथ के साथ अपना अधिकांश समय बिताते उसके साथ कई तरह के खेल खेलते और उसका उत्साह बढ़ाते इस प्रकार पिता के दुलार की अभिव्यक्ति होती है।

(ग). प्रकृति में उपस्थित हिम-शिखर जल स्तंभ की तरह कार्य करते हैं सर्दियों में यहाँ जल बर्फ के रूप में एकत्रित होता है और जब गर्मियों में जल के लिए चारों ओर त्राहि - त्राहि मच जाती है तब ये बर्फ पिघलकर जल की कमी को पूर्ण करते हैं इस प्रकार प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था अच्छी तरह की है।

प्रश्न - १४ उत्तर

चन्द्रगुप्त — आसन्

क) मगधदेशस्य नृपः चन्द्रगुप्तः आसीत्।

ख) चाणक्यः चन्द्रगुप्तस्य मन्त्री आसीत्।

(ग). चाणक्यः एकास्मिन उटजे निवसति स्मः ।

प्रश्न -15 उत्तर

(क) नीरक्षीरविवेकी हंसः भवति ।

(ख). अन्यः कुलव्रतं न पालयिष्यति ।

प्रश्न -16 उत्तर

(क). गजः नलिनीम् उज्जहार ।

(ख). सुवर्णं जनाः गुञ्जया तोलयन्ति ।

(ग). हरिद्वारं नगरं हिमालये सुरम्ये अंचले उत्तराखण्ड प्रदेशे शोभते ।

प्रश्न -17 उत्तर

(क) मुनयः शान्तिं प्राप्तुं हिमालयं गच्छन्ति ।

(ख बुद्धस्य प्रभावेण क्रूरः सम्राट अशोकः अहिंसक विनम्र च अभवत् ।

(ङ हरिद्वारं भारतीयानां प्रमुखम् तीर्थस्थलम् अस्ति

(च) सज्जनानां संगति सत्संगति भवति ।

प्रश्न - 18 उत्तर

(क).

मधु + अरि: = मध्वरि:
पो + इत: = पवित:

(ख)

हरेऽव = हरे + अव
पित्राज्ञा = पितृ + आज्ञा

(ग).

सुखप्राप्त: - सुखं प्राप्त: → तत्पुरुष समास
नीलकण्ठ: - नीलं कण्ठ: यस्य स: → बहुव्रीहि समास

(घ).

अनुचर: - अनु + चर: उपसर्ग - अनु
प्रहार - प्र + हार उपसर्ग - प्र

(ङ).

(क) सज्जनानां संगति सत्संगति: भवति ।
(ख). राजा सेवकेन सह गच्छति ।

प्रश्न - 1 उत्तर

(क) पठामः - वयं पुस्तकं पठामः ।

(ख) पश्यति - सः पश्यति ।

(ङ) सा - सा गृहं आगच्छति ।

(च) अस्ति - हरिद्वारं भारतीयानां प्रमुखम् तीर्थस्थलम् अस्ति ।

प्रश्न - 02. उत्तर

" निबंध + हमारी राष्ट्रीय एकता "

(i) राष्ट्रीय एकता का अभिप्राय

राष्ट्रीय एकता का अभिप्राय देश में अनेक विभिन्नता जैसे - हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, इसाई अलग - अलग धर्म और अलग - अलग भाषा जैसे - हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और अलग - अलग जाति और सप्रदाय होकर भी राष्ट्र में एकरूपता, समरसता, सर्वकल्याण और देशप्रेम की भावना का संचार करने से है राष्ट्र के प्रति एक जैसा प्रेम और सद्भाव राष्ट्रीय एकता ही है हमारे देश में अलग - अलग प्रदेश है और सब जगह अलग - अलग धर्म और संस्कृति है फिर भी मुसीबत या किसी उत्सव के समय इन सभी बातों को भूलकर देश की समस्या का सामना करना ही राष्ट्रीय एकता है ।

(ii). राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता

देश को नियान्त्रित करने व सही तरीके से चलाने के लिए राष्ट्रीय एकता आवश्यक है देश की उन्नाति प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए राष्ट्रीय एकता की भावना का होना आवश्यक है। देश को सहयोग राष्ट्रीय एकता से ही मिलता है संकट के समय राष्ट्रीय एकता से ही उसका सामना किया जा सकता है यदि देश में राष्ट्रीय एकता की भावना नहीं होगी तो देश में क्रांति और विद्रोह बढ़ने लगेगा देश की शान्ति के लिए राष्ट्रीय एकता आवश्यक है।

(iii). राष्ट्रीय एकता के मार्ग में बाधाएँ :

आधुनिक काल में देखा जा रहा है कि लोगों राष्ट्र के प्रति एकता की भावना कम हो रही है जिससे देश में भेद-भाव और विद्रोह उत्पन्न हो रहा है। निम्न था उच्च स्तरों के लिए आरक्षण, धर्म के आधार पर विभाजन, वर्ण व्यवस्था, उच्च जाति को प्राथमिकता देना थे सभी राष्ट्रीय एकता के मार्ग में बाधाएँ उत्पन्न करती है इस पर विशेष ध्यान देकर राष्ट्रीय एकता की भावना को जाग्रत करना चाहिए।

(iv). एकता बनाए रखने के उपाय

राष्ट्र में एकता का होना आवश्यक है राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के लिए सभी धर्मों, सभी भाषाओं, सभी जातियों सभी संप्रदाय का सम्मान करना चाहिए किसी एक को प्राथमिकता देकर राष्ट्रीय एकता में

P.T.O.

कमी आ सकती है इसलिए देश में सभी की समानता दी जानी चाहिए।
एकता बनाए रखने के लिए कुछ पंक्तिया है जो प्रेरित करती है जैसे -

" हिंद देश के निवासी
सभी जन एक है
रंग-रूप, वेश - भाषा
चाहे अनेक है "

अर्थात भारत में अनेक विभिन्नता होते हुए भी राष्ट्र मे एकता है। भारत " अनेकता में एकता " का देश है।

Roll. No → 25041409